Mehandi Competition

Organized: Department of Home Science

DATE: 11-08-2026

Press Release

"Art in Hands, Heritage in Heart"

Traditional Art, Nurturing Creativity, Empowering Skills

Inter-College Mehendi Competition Organized under the UGC Extension Outreach Programme

Patna, August 11, 2026: The Department of Home Science at Sri Arvind Mahila College, Patliputra University, Patna, organized an inter-college Mehendi competition themed "Art in Hands, Heritage in Heart" under the UGC Extension Outreach Programme. The competition commenced at 10:00 AM on August 11, 2026, at the Department of Home Science. A total of 23 participants from various colleges took part in the event with great enthusiasm.

Students from Sri Arvind Mahila College (Patliputra University), Magadh Mahila College (Patna University), and J.D. Women's College (Patliputra University) participated in the competition. The participation of students from diverse institutions gave the event a true inter-college character and provided them with an opportunity to exchange ideas regarding their talent, creativity, and artistic skills.

The primary objective of the program was to encourage Indian traditional art and cultural heritage while fostering creativity, artistic expression, skill development, self-confidence, and a sense of self-reliance among the students. The competition was organized with the aim of linking a traditional art form like Mehendi with skill development, entrepreneurship, and self-employment. Through this event, students gained insight into how traditional arts are not merely mediums of cultural expression but can also be transformed into avenues for employment and self-reliance by integrating them with modern skills and entrepreneurship.

The program began with a welcome address for the guests, faculty members, and participating students. Participating with great zeal and enthusiasm, the students showcased their creative talent through captivating and artistic Mehendi designs. A beautiful blend of traditional motifs, floral patterns, geometric shapes, and modern Mehendi designs served as a highlight of the competition. The students effectively demonstrated their imagination, intricate artistic skills, and aesthetic sense. Addressing the students on this occasion, Prof.

Vimi Singh, Head of the Department of Home Science, stated that Mehendi is not merely an art form for adorning hands but an integral part of Indian culture and rich traditional heritage. She remarked that such competitions provide students with an opportunity to identify their creative talent and transform it into practical skills. She emphasized that students can become self-reliant and empowered by linking traditional arts with skill development, entrepreneurship, and self-employment.

College Principal Prof. Rekha Rani praised the students' talent, noting that the identity of Indian culture lies in our folk and traditional arts. Art forms like Mehendi serve as a powerful medium to pass on our cultural heritage to the next generation. She stated that "Art in Hands, Heritage in Heart" is not just a theme but a message to move towards new creative possibilities while cherishing one's culture and heritage. She encouraged the students to integrate traditional arts with modern skills, entrepreneurship, and employment opportunities.

The panel of judges for the competition comprised Dr. Nora Nivedita Shaw, Dr. Sapna Barua, and Dr. Veli Sinha. The participants were evaluated based on design creativity, originality, neatness, aesthetics, artistic expression, and the effective use of traditional elements. Appreciating the students' outstanding performance, the judges encouraged their creative talent and artistic skills.

Prizes and certificates were awarded to the students who performed exceptionally well in the competition. The first prize was awarded to Ayushi Kumari and Shakra Parveen; the second prize to Jyoti Singh and Khushi Kumari; the third prize to Kavita Rani and Shobha Bharti; and a consolation prize to Anshu Kumari. The winning students were honored for their outstanding creativity, originality, and artistic presentation.

Prof. Sadhana Thakur, Prof. Pushpa Roy, and Dr. Renu Rani were also present at the event. They appreciated and encouraged the participating students and emphasized the need for such events to promote Indian traditional art and creative skills. Their presence lent dignity and inspiration to the event.

Nancy Kumari and Rani Kumari played an active role and provided valuable support in the successful organization and smooth conduct of the event. They contributed significantly to organizing the competition, coordinating participants, managing logistics, and ensuring the program ran seamlessly. Thanks to their assistance, the competition was conducted in an organized manner and concluded successfully.

The participation of students from various colleges made the event more expansive and meaningful. The competition not only offered students a platform to showcase their artistic talent but also fostered cultural exchange, creative dialogue, and healthy competition among students from different institutions. Such inter-college events provide students with the opportunity to interact with talented peers from other institutions and to learn new ideas and artistic techniques.

GPS Map Camera
Patna, Bihar, India
J577+23c, 4, Kazipur Gali, Naya Tola, Bhikhana
Pahari, Patna, Bihar 800016, India
Lat 25.612514° Long 85.163162°
Tuesday, 11/08/2026 01:30 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Patna, Bihar, India
J577+23c, 4, Kazipur Gali, Naya Tola, Bhikhana
Pahari, Patna, Bihar 800016, India
Lat 25.612545° Long 85.16318°
Tuesday, 11/08/2026 01:07 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Patna, Bihar, India
J577+23c, 4, Kazipur Gali, Naya Tola, Bhikhana Pahari, Patna, Bihar 800016, India
Lat 25.612504° Long 85.16307°
11/08/2026 12:41 PM GMT +05:30
Google

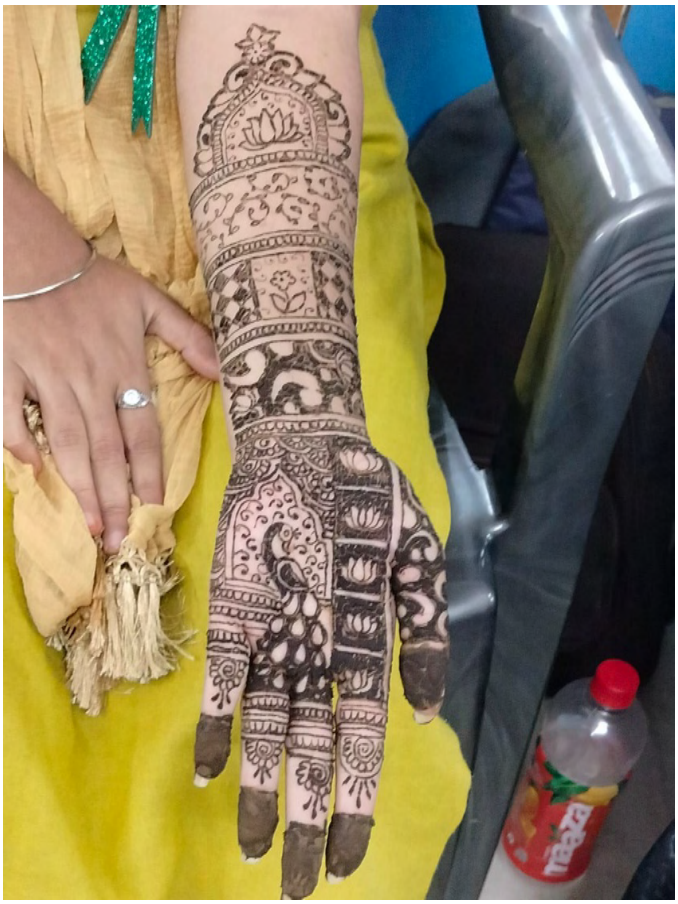

शशिकांत, मुन्ना गुप्ता- संगठन मंत्री, राज प्रसाद, बजरंग गुप्ता- प्रदेश उपाध्यक्ष आदि मौजूद थे।

अंतर महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

पटना (रासासं) : श्री अरविंद महिला कॉलेज, पाटलिपुत्र विवि के गृह विज्ञान विभाग द्वारा अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों से कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ छात्राओं में रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति, कौशल विकास, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा देना था। मेहंदी जैसी पारंपरिक कला को कौशल विकास, उद्यमिता एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रो. विमी सिंह ने कहा कि पारंपरिक कलाओं को कौशल विकास, उद्यमिता एवं स्वरोजगार से जोड़कर छात्राओं को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाया जा सकता है। प्राचार्या प्रो. रेखा रानी ने कहा कि भारतीय संस्कृति की पहचान हमारी लोक एवं पारंपरिक कलाओं में निहित है। मेहंदी जैसी कला हमारी सांस्कृतिक विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। निर्णायक मंडल में डॉ नोरा निवेदिता शॉ, डॉ. सपना बरुआ एवं डॉ. वेली सिन्हा शामिल रहीं। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आयुषी कुमारी एवं शाकरा परवीन, द्वितीय पुरस्कार ज्योति सिंह एवं खुशी कुमारी, तृतीय पुरस्कार कविता-रानी एवं शोभा भारती तथा सांत्वना पुरस्कार अंशु कुमारी को प्रदान किया गया।

श्री अरविंद महिला कॉलेज में अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित

पटना (आससे)। श्री अरविंद महिला कॉलेज, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग की ओर से यूजीसी विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत 'आर्ट इन हैंड्स, हेरिटेज इन हार्ट' विषय पर अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में श्री अरविंद महिला कॉलेज, मगध महिला कॉलेज और जेडी वीमेंस कॉलेज की कुल 23 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय पारंपरिक कला एवं सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के साथ छात्राओं में रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति, कौशल विकास, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की भावना विकसित करना था। प्रतियोगिता के दौरान छात्राओं ने पारंपरिक बेल-बूटे, फूल-पत्तियों, ज्यामितीय आकृतियों के साथ आधुनिक मेहंदी डिजाइनों का आकर्षक प्रदर्शन किया। गृह विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. विमी सिंह ने कहा कि मेहंदी भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसी प्रतियोगिताएं छात्राओं को अपनी रचनात्मक प्रतिभा पहचानने और उसे व्यावहारिक कौशल में बदलने का अवसर देती हैं। कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रेखा रानी ने कहा कि पारंपरिक कलाएं हमारी सांस्कृतिक पहचान हैं और इन्हें आधुनिक कौशल व उद्यमिता से जोड़कर रोजगार के अवसर भी विकसित किए जा सकते हैं। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार आयुषी कुमारी और शाकरा परवीन, द्वितीय पुरस्कार ज्योति सिंह और खुशी कुमारी तथा तृतीय पुरस्कार कविता रानी और शोभा भारती को मिला। अंशु कुमारी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। निर्णायक मंडल में डॉ. नोरा निवेदिता शॉ, डॉ. सपना बरुआ और डॉ. वेली सिन्हा शामिल रहीं। कार्यक्रम में प्रो. साधना ठाकुर, प्रो. पुष्पा रॉय और डॉ. रेनू रानी सहित अन्य शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

डॉ. पद्मिनी कुमारी ने छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के संबंध में जानकारी दी।

अरविंद महिला कॉलेज में हुई मेहंदी प्रतियोगिता

पटना। श्री अरविंद महिला कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की ओर से यूजीसी एक्सटेंशन आउटरीच प्रोग्राम के तहत मंगलवार को आर्ट इन हेन्ड थीम पर अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता हुई। इसमें विभिन्न कॉलेजों की 23 छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में श्री अरविंद महिला कॉलेज, मगध महिला कॉलेज और जेडी वीमेंस कॉलेज की छात्राओं ने कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रथम पुरस्कार आयुषी कुमारी और शाकरा परवीन, द्वितीय ज्योति सिंह व खुशी कुमारी और तृतीय कविता रानी व शोभा भारती को मिला।

मेहंदी प्रतियोगिता में आयुषी रहीं पहले स्थान पर

पटना. अरविंद महिला कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग की ओर से यूजीसी एक्सटेंशन आउटरीच प्रोग्राम के तहत मंगलवार को आर्ट इन हैंड थीम पर अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता हुई. इसमें विभिन्न कॉलेजों की 23 छात्राओं ने हिस्सा लिया. गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो विमी सिंह ने कहा कि मेहंदी भारतीय संस्कृति और पारंपरिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है. प्राचार्या प्रो रेखा रानी ने भी छात्राओं का उत्साह बढ़ाया. निर्णायक मंडल में डॉ नोरा निवेदिता शॉ, डॉ सपना बरुआ और डॉ वेली सिन्हा शामिल रहीं. प्रथम पुरस्कार आयुषी कुमारी व शाकरा परवीन, द्वितीय ज्योति सिंह व खुशी कुमारी और तृतीय कविता रानी व शोभा भारती को मिला.

हाथों में कला, हृदय में विरासत, श्री अरविंद महिला कॉलेज में अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता संपन्न।

जोश भारत, संवाददाता | पटना। श्री अरविंद महिला कॉलेज, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग ने UGC Extension Outreach Programme के तहत "Art in Hands, Heritage in Heart" थीम पर दिनांक 11 अगस्त 2026 को अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया। पूर्वाह्न 10:00 बजे विभाग द्वारा शुभारंभ किए गए इस कार्यक्रम में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय एवं पटना विश्वविद्यालय के कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में श्री अरविंद महिला कॉलेज, मगध महिला कॉलेज (पटना विश्वविद्यालय) तथा जे.डी. विमेंस कॉलेज (पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय) की छात्राओं ने आकर्षक एवं कलात्मक मेहंदी डिजाइनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। पारंपरिक बेल-बूटे, फूल-पत्तियां, ज्यामितीय आकृतियां और आधुनिक डिजाइनों का समन्वय प्रतियोगिता की विशेषता रहा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय पारंपरिक कला व सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना तथा छात्राओं में रचनात्मकता, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के अवसर उत्पन्न करना बताया गया। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों, शिक्षिकाओं और प्रतिभागी छात्राओं के स्वागत से हुआ। गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. विमी सिंह ने कहा कि मेहंदी केवल सजावट नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत है और इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्राओं को रचनात्मक प्रतिभा को व्यावहारिक कौशल व उद्यमिता के साथ जोड़ने का अवसर देती हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेखा रानी ने थीम "Art in Hands, Heritage in Heart" को संस्कृति व नवाचार का संदेश बताते हुए छात्राओं को पारंपरिक कला को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। निर्णायक मंडल में डॉ. नोरा निवेदिता शॉ, डॉ. सपना बरुआ एवं डॉ. वेली सिन्हा ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन रचनात्मकता, मौलिकता, स्वच्छता, सौंदर्य तथा पारंपरिक तत्वों के उपयोग के आधार पर किया और उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार आयुषी कुमारी एवं शाकरा परवीन को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार ज्योति सिंह एवं खुशी कुमारी, तृतीय पुरस्कार कविता रानी एवं शोभा भारती तथा सांत्वना पुरस्कार अंशु कुमारी को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रो. साधना ठाकुर, प्रो. पुष्पा रॉय एवं डॉ. रेनू रानी की भी उपस्थिति रही जिन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजन के समन्वय एवं संचालन में नैंसी कुमारी व रानी कुमारी की सक्रिय भूमिका रही, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता ने न केवल छात्राओं को अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान किया, बल्कि विभिन्न संस्थानों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, रचनात्मक संवाद और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ तथा मुख्य संदेश दिया गया। "हाथों में कला, हृदय में विरासत, रचनात्मकता से कौशल और कौशल से आत्मनिर्भरता की ओर।"

प्रतियोगिता में उपस्थित अतिथि, प्राचार्या, प्राध्यापिकाएं एवं छात्राएं।

हाथों में कला, हृदय में विरासत, श्री अरविंद महिला कॉलेज में अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता संपन्न।

प्रतियोगिता में उपस्थित अतिथि प्राचार्या प्राध्यापिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं।

न्यूजप्लस24 | संवाददाता | पटना । श्री अरविंद महिला कॉलेज, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग ने UGC Extension Outreach Programme के तहत "Art in Hands, Heritage in Heart" थीम पर दिनांक 11 अगस्त 2026 को अंतर-महाविद्यालयीय मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया। पूर्वाह्न 10:00 बजे विभाग द्वारा शुभारंभ किए गए इस कार्यक्रम में पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय एवं पटना विश्वविद्यालय के कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में श्री अरविंद महिला कॉलेज, मगध महिला कॉलेज (पटना विश्वविद्यालय) तथा जे.डी. विमेंस कॉलेज (पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय) की छात्राओं ने आकर्षक एवं कलात्मक मेहंदी डिजाइनों के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई। पारंपरिक बेल-बूटे, फूल-पत्तियां, ज्यामितीय आकृतियां और आधुनिक डिजाइनों का समन्वय प्रतियोगिता की विशेषता रहा। आयोजन का मुख्य उद्देश्य भारतीय पारंपरिक कला व सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना तथा छात्राओं में रचनात्मकता, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के अवसर उत्पन्न करना बताया गया। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों, शिक्षिकाओं और प्रतिभागी छात्राओं के स्वागत से हुआ। गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. विमी सिंह ने कहा कि मेहंदी केवल सजावट नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति की समृद्ध विरासत है और इस तरह की प्रतियोगिताएं छात्राओं को रचनात्मक प्रतिभा को व्यावहारिक कौशल व उद्यमिता के साथ जोड़ने का अवसर देती हैं। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. रेखा रानी ने थीम "Art in Hands, Heritage in Heart" को संस्कृति व नवाचार का संदेश बताते हुए छात्राओं को पारंपरिक कला को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। निर्णायक मंडल में डॉ. नोरा निवेदिता शॉ, डॉ. सपना बरुआ एवं डॉ. वेली सिन्हा ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन रचनात्मकता, मौलिकता, स्वच्छता, सौंदर्य तथा पारंपरिक तत्वों के उपयोग के आधार पर किया और उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। प्रथम पुरस्कार आयुषी कुमारी एवं शाकरा परवीन को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार ज्योति सिंह एवं खुशी कुमारी, तृतीय पुरस्कार कविता रानी एवं शोभा भारती तथा सांत्वना पुरस्कार अंशु कुमारी को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में प्रो. साधना ठाकुर, प्रो. पुष्पा रॉय एवं डॉ. रेनू रानी की भी उपस्थिति रही जिन्होंने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। आयोजन के समन्वय एवं संचालन में नैंसी कुमारी व रानी कुमारी की सक्रिय भूमिका रही, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सुचारु रूप से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता ने न केवल छात्राओं को अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखाने का मंच प्रदान किया, बल्कि विभिन्न संस्थानों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, रचनात्मक संवाद और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ तथा मुख्य संदेश दिया गया। "हाथों में कला, हृदय में विरासत, रचनात्मकता से कौशल और कौशल से आत्मनिर्भरता की ओर।"